मैथिली (प्रतिष्ठा)
बी॰ए॰ (भ) पार्ट-२

बसंत कुमा[illegible]
अतिथि शि[illegible]
दिनांक-[illegible]

दिनांक १५-०७-२०क शेष

१५-०[illegible]

प्रकरण- विद्यापति

लिखनावली- नेपालक राज बनैलीक प्रवास कालमे विद्यापति पद रचना ओओर श्रीमद्‌भागवतक लिपिकरणक संगहि लिखनावली नामक पुस्तकक रचना कयलनि। ई पत्र लेखन शैलीक उदाहरण रूपमे लिखल गेल अछि। वस्तुतः पत्र- लेखन कठिन काज थिक जाहिमे सम्बोधन तथा भावक संतुलन अत्यावश्यक होइत अछि। बुझि पड़ैत अछि जे इयह शिक्षा देबाक हेतु विद्यापति लिखनावलीक रचना कयलनि।

शिवसिंहक उपरांत विपत्ति कालमे विद्यापतिकेँ राज बनैलीसँ पत्राचारक आवश्यकता पड़ल होयतनि, जे लिखनावलीक प्रेरक तत्व बनि गेल। लिखनावलीमे दुआ/दुइ दर्जन पत्रक उदाहरण अछि जाहिमे ल॰ स॰ २९९ उल्लिखित अछि, जे एकर लेखन कालक प्रमाण थिक।

शेष अगिला अंकमे